Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to accord the status of Central University to Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University, Gorakhpur, Uttar Pradesh-laid.

श्री रवि किशन (गोरखपुर): उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में स्थित महानगर गोरखपुर का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रहा है और आज यह प्रदेश का एक उन्नत शहर बनने की ओर अग्रसर है । उत्तर प्रदेश के साथ ही यह नेपाल और बिहार के बड़े हिस्से के केंद्र के रूप में भी जाना जाता है । शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्यम के हिसाब से भी यहाँ अपार संभावनाएं हैं और परम श्रद्धेय योगी आदित्यनाथ महाराज जी के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर है । यहाँ स्थित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में आजाद भारत का पहला विश्वविद्यालय है । यहां पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पश्चिमी बिहार और नेपाल से भी बड़ी संख्या में छात्र पढ़ने आते हैं । यह विश्वविद्यालय राज्य सरकार द्वारा संचालित किया जाता है । 1 सितम्बर ,1957 से विश्वविद्यालय में अध्ययन - अध्यापन का कार्य आरम्भ हो गया था । अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या, जौनपुर विश्वविद्यालय, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय इसी के अंग रहे हैं । मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्वविद्यालय भी पूर्व में इसका एक संकाय रहा है । बीआरडी मेडिकल कॉलेज इसी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित होता है । इस विश्वविद्यालय का प्रांगण लगभग 300 एकड़ में फैला हुआ है ।

वर्षों से इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाये जाने की माँग उठती रही है । परम श्रद्धेय योगी आदित्यनाथ महाराज जी ने सांसद रहते हुए इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने को लेकर अनेक बार प्रयास किया था । आज गोरखपुर में एम्स की स्थापना हो चुकी है । यह शहर एक्सप्रेस वे और रेलवे से व्यापक पैमाने पर जुड़ा हुआ है । चीन और नेपाल का सीमावर्ती शहर होने के कारण इसका विशिष्ट सामरिक महत्व है । गोरखपुर मानव संसाधन से समृद्ध है, जिसमें अधिकांश युवा हैं । गोरखपुर विश्वविद्यालय के केन्द्रीय विश्वविद्यालय बन जाने से न सिर्फ पूर्वी उत्तर प्रदेश को बल्कि पश्चिमी बिहार और नेपाल के लोगों को भी इसका लाभ

मिलेगा । अंतर्राज्यीय विश्वविद्यालय माना जाने वाला यह विश्वविद्यालय अपार संभावनाओं के बाद भी केंद्र सरकार द्वारा संचालित केंद्रीय विश्वविद्यालय की तरह शिक्षा नहीं दे पा रहा है । शैक्षणिक गुणवत्ता भी केंद्रीय विश्वविद्यालय की तरह नहीं है । पूर्वांचल के विकास को देखते हुए इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाना नितांत आवश्यक है । अतः केंद्र सरकार अनुरोध है कि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा अविलम्ब प्रदान करने की कृपा की जाय ।